मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय, मोदीनगर
राष्ट्रीय सेवा योजना–2016–2017

सात दिवसीय रात–दिन के विशेष शिविर की आख्या

21.02.2017–27.02.2017

हमारे महाविद्यालय में सत्र 2016–17 में संचालित रा0से0यो0 की चारों इकाईयों के सात दिवसीय शिविर का शुभारम्भ दिनांक 21.02.2017 को प्रातः 9 बजे ग्राम भूपेन्द्रपुरी में कार्यक्रम अधिकारी **डॉ0 मयंक मोहन** के नेतृत्व में हुआ था। **इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ आर0सी0लाल, डॉ0 पी0 के0 गर्ग तथा विशिष्ट अतिथि डॉ0 मनीष, प्राध्यापक, राजकीय महाविद्यालय, पुवांरकाजी, सहारनपुर थे।** शिविर के उद्घाटन के समय डॉ0 पूनम, समाजसेवी रिछपालजी, **दैनिक समाचार पत्रों के सम्माननीय पत्रकार बन्धु** तथा अन्य गणमाननीय व्यक्ति भी उपस्थित थे। प्रातः 10 बजे उद्घाटन कार्यक्रम के पश्चात् कार्यक्रम अधिकारी **डॉ0 मयंक मोहन** ने सभी स्वयंसेवकों को 10–10 स्वयंसेवकों की टोली में बांट दिया तथा उनकी टोली का नामकरण करके उन्हें सात दिनों में होने वाले कार्यों से अवगत कराते हुए कार्य भार वितरित किये। तत्पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने ग्राम का सघन अवलोकन किया तथा विस्तृत

स्वयंसेवक कार्यक्रम अधिकारी **डॉ0 मयंक मोहन** के साथ यहां पास में ही स्थित ऐतिहासिक सिकरी मन्दिर के भी दर्शन के लिये गये जहां स्वयंसेवकों को एक अलग प्रकार की आध्यात्मिक अनुभूति हुई उस मन्दिर के अंदर एक वृक्ष ऐसा भी था जो हमारे क्रांतिकारियों के बलिदान की याद दिलाता था। छात्रों ने कार्यक्रम अधिकारी **डॉ0 मयंक मोहन** के नेतृत्व में ग्राम के मलिन क्षेत्रों में सफाई अभियान चलाया तथा कई क्षेत्रों की साफ–सफाई करते हुए ग्रामीणों को स्वच्छता के लाभों से अवगत कराया तथा छात्राओं ने प्रश्नावली के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर जनगणना कार्य किया। इन सभी कार्यों के बीच ग्रामीणों को स्वछता के विषय में भी अवगत कराया गया। दोपहर मुंशी प्रेमचंद की टोली को भोजन की व्यवस्था देखनी थी जिसे उन्होंने अत्यन्त कुशलता के साथ निभाया। बौद्धिक कार्यक्रम के अन्तर्गत आज के अतिथी श्री किशन जी थे उन्होंने सामाजिक जीवन की संरचना एवं सामूहिक परिवार के महत्व पर प्रकाश डाला। आज छात्र–छात्राओं के बीच कम ऊर्जा में **भोजन बनाने की प्रतिस्पर्धा** का आयोजन हुआ जिसमें उनके साथ–साथ शिविर में उपस्थित अन्य लोगों ने भी बढ–चढकर हिस्सा लिया। इस प्रतिस्पर्धा में रानी लक्ष्मीबाई टोली ने विशेष प्रकार से भोजन तैयार कर या

संदेश दिया किया कि ऊर्जा की बचत किस प्रकार की जा सकती है। रात्रि में भोजन के पश्चात् शिवार्थियों ने कैम्प फॉयर के समय गांव के लोगों के साथ बातचीत की तथा उनके स्थानीय ग्रामीण परिवेश के विषय में निकट से जानकारी हासिल की। कुछ स्थानीय ग्रामीणों ने यहां के लोकगीतों को रागनी के माध्यम से सुनाया जिससे सभी स्वयंसेवक प्रभावित हुए तथा उनमें से कुछ ने इस विधा को सीखने का भी प्रयास किया। उसके पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने आज दिन की डायरी को पूरा किया तथा दिन भर के अपने अनुभवों का ब्यौरा उस डायरी पर उतारा।

शिविर के तीसरे दिन प्रातः निर्वत कार्यों से निपटकर योग के समय कार्यक्रम अधिकारी **डॉ0 मयंक मोहन** ने रा0 से0 यो0 के लक्ष्य गीत के पश्चात् स्वयं सेवकों को आत्मदर्शन कराने का उपाय बताया जिसमें उन्होंने सभी स्वयंसेवकों को शिविर स्थल पर बैठे–बैठे ही ग्राम सीकरी घुमाने का अनुभव कराया। आज सभी स्वयंसेवकों ने ग्राम की दिवारों पर सामाजिक विकास एवं उत्थान के लिये आर्कषक नारे लिखे तथा नुकक्ड नाटक के माध्यम से नशा, दहेज, अशिक्षा, अंधविश्वास इत्यादि सामाजिक बुराईयों की ओर लोगों का ध्यान आर्कषित किया। छात्राओं ने

ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों को घर–घर जाकर साक्षरता एवं साफ–सफाई का महत्व बतलाया। यहां के ग्रामीण क्षेत्र में बहुधा एक समस्या देखने को मिली है कि यहां लोगों के पास राशनकार्ड नहीं है। आज रंगोली प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें सरस्वती टोली ने प्रथम, लक्ष्मीबाई टोली ने द्वितीय तथा लीलीबाई टोली ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। आज इसी दौरान कुछ एन0एस0एस0 के पुराने स्वयंसेवक भी शिविर स्थल पर पहुंच गये तथा उन्होंने अपने पहले अनुभव बताते हुए नये स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन किया। बौद्धिक कार्यक्रम की गोष्ठी का आज का विषय **मलिन बस्तियों में सरकारी योजनाओं की सार्थकता** था। जिसमें हमारे अतिथी श्री ब्रजभूषण्जी, समाजसेवी ने अपने विचारों प्रकट किया। निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ तो जागरूकता की कमी है और कुछ सरकारी रवैया भी उपेक्षापूर्ण है जिसके परिणाम स्वरूप सरकारी योजनाओं को लाभ ग्रामीण को उचित रूप से नहीं मिल पा रहा है। आज कैम्प फॉयर के समय गीत–संगीत कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ जिसमें सभी छात्र–छात्राओं ने पूरे मनोयोग से भाग लिया तथा रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुती की तथा आपस में मंनोरंजन के लिये गायन के भी प्रोग्राम किये इसके अतिरिक्त कुछ

समस्याओं पर नुक्कड नाटक भी तैयार किये गये जिनका प्रदर्शन गांवों की चौपाल पर करना तय किया गया जिससे कि ग्रामीण समाज की पुरातन विचारधारा में कुछ परिवर्तन करके उनमें सुधार का प्रयास किया सके।

शिविर के चौथे दिन छात्र –छात्राओं ने प्रातः योग किया, आज मोहित तथा ज्योति ने सभी स्वयंसेवकों को योगा कराया। आज महाशिवरात्री के कारण स्वयंसेवकों का उपवास था तथा सभी ने निर्णय लिया कि दोपहर सभी लोग फलाहार करेगें। इसके पश्चात् स्वयंसेवकों द्वारा विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में वृक्षारोपण किया तथा कृषि कार्यों से सम्बन्धित तकनीकी ज्ञान की जानकारी ग्रामीणों को दी यहां यह विशेष बात देखने में आयी कि जो जानकारी स्वयंसेवक ग्रामीणों को दे रहे थे वे व्यावहारिक नहीं थी अपितु ग्रामीणों द्वारा जो जानकारी स्वयंसेवकों को दी गई उससे स्वयंसेवकों का ही ज्ञान बढा जो कि निश्चित रूप से भविष्य में इनके काम आयेगा। इसके अतिरिक्त छात्राओं ने ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों की उन समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया जो कि अशिक्षा, अज्ञानता एवं रुढिवादिता के कारण उनके बीच में उत्पन्न हो रही थी। स्वयंसेवक जब ग्रामीण के

हुई। जिसमें भावना, शुभांशी, निखिल, मोहित, प्रशान्त नेहरा ने अच्छा प्रदर्शन किया।

शिविर के पांचवे दिन छात्र –छात्राओं सहज योग किया तथा जिस प्रकार श्री भूपेन्द्र जी ने सहज योग की विधि बतायी थी उसका अभ्यास किया। प्रातः ही काफी संख्या में ग्रामीण लोग योग शिविर में आ गये तथा उन्होंने स्वयंसेवकों के साथ योग की विभिन्न विधाओं के विषय में जानकारी प्राप्त की। उसके पश्चात् स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों को सरकार द्वारा उनके लिये चलायी जा रही ग्राम विकास की योजनाओं को बतलाया तथा सामाजिक जागरुकता को प्रबल करने के लिये एक सामूहिक अभियान चलाया जिसमें नुक्कड नाटक के माध्यम से दहेज, नशा, प्रदूषण तथा जुआ इत्यादि जैसी बुराईयों पर प्रहार किया गया। बौद्धिक कार्यक्रम की गोष्ठी का आज का विषय **कृषि बनाम औद्योगिक विकास–देश के विकास में क्या अधिक सहायक है** था जिसमें हमारे मुख्य वक्ता श्री रीछपाल जी थे। इस गोष्ठी में दानिश, किशनपाल, भावना, रीतु, गुंजन ने विशेष रूप से प्रतिभाग किया तथा कृषि को देश की अर्थव्यवस्था की रीढ की हड्डी बताया। आज सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता भी आयोजित हुयी जिसमें

स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्ण तरीके से प्रतिभाग किया इस प्रतियोगिता में विशाल, ज्योति, कामना, आशुतोष ने अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन सर्वाधिक पुरूस्कार विशाल ने जीते। आज लायंस क्लब के माध्यम से हमारे स्वयंसेवकों ने रक्तदान शिविर लगाकर 36 यूनिट रक्त दान दिया। रक्त दान प्राप्त करने के लिये लांयन्स क्ल्ब की टीम सांय 3 बजे शिविर स्थल पर पहुंची तथा जिसमें डॉ0 तोमर ने रक्तदान के विषय में स्वयंसेवकों के मन में उत्पन्न भ्रम को दूर किया तथा रक्त दान के लिये प्रेरित किया। सर्वप्रथम कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 मयंक मोहन ने रक्तदान के लिये अपना पंजीकरण कराया इसके पश्चात् 35 और स्वयंसेवकों ने रक्तदान के लिये पंजीकरण कराकर अपना रक्त दान किया। इस सब विधि में शाम के 6 बज गये। तत्पश्चात् सभी लोगों ने थोडी देर आराम कर शाम के भोजन का प्रबन्ध किया तथा 9 बजे तक भोजन कर कैम्प फॉयर का आयोजन किया, जिसमें ग्रामीण लोगों ने स्वयंसेवकों के साथ पुरानी कहावतों पर चर्चा की तथा वे प्राचीन कहावतें आज के समय में कितनी सही हैं इस पर चर्चा की।

डॉ0 भूपेन्द्र त्यागी उनके दो सहायक तथा ग्राम के अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित उपस्थित हुए। जिसमें स्वयंसेवकों ने सरस्वती वन्दना एवं स्वागत गीत के पश्चात् रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुती की जिसमें दहेज प्रथा, एवं समाज में महिलाओं के साथ छेडछाड से संबधित समस्याओं को दर्शाते हुए आदित्य, रीतु, अमित इत्यादि ने नुक्कड नाटक प्रस्तुत किये। छात्राओं ने नृत्य कार्यक्रम प्रस्तुत किये। शिविर के छात्र–छात्राओं ने इस सात दिवसीय विशेष शिविर में अपने अनुभवों को बताया तथा स्वयंसेवक निखिल ने सभी स्वयंसेवकों के प्रयासों से क्रय की गये एक सन्दूक एवं 50 खाने की तश्तरी महाविद्यालय के एन0एस0एस0 इकाईयों को भेंट की। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 मयंक मोहन ने सात दिवसीय विशेष शिविर की आख्या प्रस्तुत की तथा स्वयंसेवकों को इस बात की शपथ दिलायी कि यह शिविर केवल सात दिन का नहीं है अपितु उन्होंने जो यहां सिखा है उन आदर्शों को जीवनपर्यन्त निभाना है। अन्त में प्राचार्य महोद्य ने रा0से0यो0 के सात दिवसीय विशेष शिविर के समापन की विधिवत् घोषणा करते हुए कहा कि जो भी कुछ स्वयंसेवकों ने इस शिविर से सीखा है वह महाविद्यालय में जाकर और विद्यार्थियों को भी बतायें जिससे कि

उनमें भी समाज के प्रति अपने कर्तव्यों जागृत हो सके। कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 मयंक मोहन ने सभी लोगों का आभार व्यक्त किया तथा एक–दूसरे से विदाई ली।

शिविर में स्वयंसेवकों द्वारा किये गये कार्य

	कार्य	
1	जल संरक्षण की जानकारी देना।	29
2	परिवार नियोजन के लाभ बताना	38
3	प्रौढ शिक्षा प्रदान करना	23
4	सरकारी योजनाओं से अवगत कराना।	56
5	वृक्षारोपण करना	72
6	सामाजिक कुरितियों का विरोध करना	11
7	युवतियों को सिलाई, एंव बुनाई सिखाना	19
8	समाज के प्रति शिक्षित युवा वर्ग के दायित्व के कर्तव्य के बारे में अवगत कराना।	24
9	आपदा के समय बचाव सम्बन्धी जानकारी देना।	36
10	मकान/घरो के अन्दर और बाहर एंव आस –पास में सफाई सम्बन्धी जानकारी देना	54
11	राष्ट्रीय एकता एवं मतदान पर रैलियों के माध्यम से जानकारी देना	9
12	रक्तदान किया	36

कार्यक्रम प्रभारी
डॉ0 मयंक मोहन

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय,मोदीनगर

राष्ट्रीय सेवा योजना–2017–2018

सात दिवसीय दिन–रात के विशेष शिविर के प्रथम दिन की आख्या

हमारे महाविद्यालय में सत्र 2017–18 में संचालित रा0से0यो0 की चारों इकाईयों के सात दिवसीय (दिन–रात) शिविर का शुभारम्भ दिनांक 05.01.2018 को प्रातः 9 बजे ग्राम भूपेन्द्रपुरी में कार्यक्रम अधिकारी **डॉ0 मयंक मोहन** जी के नेतृत्व में हुआ था। **इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ0 आर0सी0लाल, विशिष्ट अतिथि डॉ0 पी0 के0 गर्ग थे।** शिविर के उद्घाटन के समय डॉ0 विवेकशील, श्री बी0एम0गोयल, **दैनिक समाचार पत्रों के सम्माननीय पत्रकार बन्धु** तथा अन्य गणमाननीय व्यक्ति भी उपस्थित थे। प्रातः 10 बजे उद्घाटन कार्यक्रम के पश्चात् स्वयं सेवकों ने ग्राम का सघन अवलोकन किया तथा विस्तृत रूप से सर्वेक्षण किया। स्वयं सेवकों ने ग्रामीणों और अपने मध्य एक अच्छा समन्वय स्थापित करते हुए ग्रामीण जीवन की समस्याओं को जाना तथा अपने स्तर पर उन समस्याओं के समाधान के लिये विचार

सात दिवसीय विशेष शिविर में स्वयंसेवकों द्वारा किये गये कार्य

	कार्य	
1	जल संरक्षण की जानकारी देना।	160
2	परिवार नियोजन के लाभ बताना	80
3	बी0एल0ओ0 की मदद से वोटर आई0डी0कार्ड बनवाये	152
4	सरकारी योजनाओं से अवगत कराना।	62
5	वृक्षारोपण करना	25
6	सामाजिक कुरितियों का विरोध करना	13
7	युवतियों को सिलाई, एंव बुनाई सिखाना	22
8	समाज के प्रति शिक्षित युवा वर्ग के दायित्व के कर्तव्य के बारे में अवगत कराना।	36
9	आपदा के समय बचाव सम्बन्धी जानकारी देना।	17
10	मकान/घरो के अन्दर और बाहर एंव आस –पास में सफाई सम्बन्धी जानकारी देना	52
11	राष्ट्रीय एकता एवं मतदान पर रैलियों के माध्यम से जानकारी देना	10
12	रक्तदान किया	37

डॉ0 मयंक मोहन
कार्यक्रम अधिकारी
तृतीय इकाई

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय,मोदीनगर

राष्ट्रीय सेवा योजना–2018–2019

सात दिवसीय रात–दिन के विशेष शिविर के प्रथम दिन की आख्या

हमारे महाविद्यालय में सत्र 2018–19 में संचालित रा0से0यो0 की चारों ईकाइयों के सात दिवसीय शिविर का शुभारम्भ दिनांक 25.01.19 को प्रातः 9 बजे ग्राम इन्द्रापुरी, पूरब, मोदीनगर में कार्यक्रम अधिकारी **डॉ0 मयंक मोहन** जी के नेतृत्व में हुआ था। **इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ0 आर0सी0लाल, डॉ0 मनीष अग्रवाल तथा विशिष्ट अतिथि डॉ0 दीपक अग्रवाल जी, थे।** शिविर के उद्घाटन के समय डॉ0 विवेकशील, श्री रोहिताश जी , **दैनिक समाचार पत्रों के सम्माननीय पत्रकार बन्धु** तथा अन्य गणमाननीय व्यक्ति भी उपस्थित थे। प्रातः 10 बजे उद्घाटन कार्यक्रम के पश्चात् स्वयं सेवकों मतदाता जागरूकता रैली निकाली तथा पूर्णतः उचित तरीके से मतदान कराने की शपथ ली। तत्पश्चात् स्वयं सेवकों ने चयनित ग्राम का अवलोकन किया तथा ग्रामीणों और अपने मध्य एक अच्छा समन्वय स्थापित करते हुए ग्रामीण जीवन की समस्याओं को जाना तथा अपने स्तर पर उन समस्याओं के समाधान के लिये विचार मंथन भी किया। दोपहर भोजन के पश्चात् बौद्धिक कार्यक्रम में श्री मंजुल सिन्हा ने स्वयं सेवकों के साथ स्वच्छ भारत की धारणा को स्पष्ट किया। बौद्धिक कार्यक्रम की आज की गोष्ठी का

सात दिवसीय विशेष शिविर में स्वयंसेवकों द्वारा किये गये कार्य

	कार्य	
1	जल संरक्षण की जानकारी देना।	198
2	परिवार नियोजन के लाभ बताना	28
3	बी0एल0ओ0 की मदद से वोटर आई0डी0कार्ड बनवाये	49
4	सरकारी योजनाओं से अवगत कराना।	147
5	वृक्षारोपण करना	122
6	सामाजिक कुरितियों का विरोध करना	03
7	युवतियों को सिलाई, एंव बुनाई सिखाना	12
8	समाज के प्रति शिक्षित युवा वर्ग के दायित्व के कर्तव्य के बारे में अवगत कराना।	19
9	आपदा के समय बचाव सम्बन्धी जानकारी देना।	23
10	मकान/घरो के अन्दर और बाहर एंव आस –पास में सफाई सम्बन्धी जानकारी देना	124
11	राष्ट्रीय एकता एवं मतदान पर रैलियों के माध्यम से जानकारी देना	02
12	रक्तदान किया	32

डॉ0 मयंक मोहन
कार्यक्रम अधिकारी
तृतीय इकाई

कार्यक्रम अधिकारी – योगेन्द्र प्रासाद सक्सैना दिनांकः 01.02.2020

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय,मोदीनगर

राष्ट्रीय सेवा योजना–2019–2020 (चतुर्थ इकाई)

सात दिवसीय रात–दिन के विशेष शिविर के प्रथम दिन की आख्या

हमारे महाविद्यालय में संचालित रा0से0यो0 की चतुर्थ इकाई सत्र 2018–19 के सात दिवसीय शिविर का षुभारम्भ दिनांक 01.02.2020 को प्रातः 9 बजे ग्राम कृष्णा कुंज पश्चिमी, मोदीनगर में कार्यक्रम अधिकारी योगेन्द्र प्रासाद सक्सैना के नेतृत्व में हुआ था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ0 आर0 सी0 लाल, डॉ0 ए0 शर्मा, डॉ0 वी0 शर्मा तथा विशिष्ट अतिथि डॉ0 मयंक मोहन, जी, थे। शिविर के उद्घाटन के समय श्री मन्जूश्री, तथा अन्य कार्यक्रम अधिकारी ड़ॉ. सुजाता, ड़ॉ. मनीषा बालियान, श्री सुरेन्द्र दैनिक समाचार पत्रों के सम्माननीय पत्रकार बन्धु तथा अन्य गणमाननीय व्यक्ति भी उपस्थित थे। प्रातः 10 बजे उद्घाटन कार्यक्रम के पश्चात् स्वयं सेवकों मतदाता जागरूकता रैली निकाली तथा पूर्णतः उचित तरीके से मतदान कराने की शपथ ली। तत्पश्चात् स्वयं सेवकों ने चयनित ग्राम का अवलोकन किया तथा ग्रामीणों और अपने मध्य एक अच्छा समन्वय स्थापित करते हुए ग्रामीण जीवन की समस्याओं को जाना तथा अपने स्तर पर उन समस्याओं के समाधान के लिये विचार मंथन भी किया। दोपहर भोजन के पश्चात् बौद्धिक कार्यक्रम में विशाल, मनीष, दीपिका तथा अन्य स्वयं सेवकों ने विभिन्न विषयों जैसे स्वच्छता, दहेज प्रथा गंगा सफाई सम्बन्धित कार्यों पर अपने व्याख्यान दिये । सांय 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात्सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर अपने शिविर स्थल की साफ–सफाई की। सांय 5 बजे

कार्यक्रम अधिकारी – योगेन्द्र प्रासाद सक्सैना दिनांकः 02.02.2020

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय,मोदीनगर

राष्ट्रीय सेवा योजना–2019–2020 (चतुर्थ इकाई)

सात दिवसीय रात–दिन के विशेष शिविर के द्वितीय दिन की आख्या

शिविर के दूसरे दिन सभी स्वयंसेवक अपने कार्यक्रम अधिकारी योगेन्द्र प्रासाद सक्सैना के नेतृत्व में योगा अभ्यास किये तथा लक्ष्य गीत गाकर दिन का शुभारंभ किया । स्वंयसेवक विभिन्न टोलियों में बटकर सर्वेक्षण के लिए दलित बस्ती में भ्रमण किया तथा स्वंयसेविकायें ड़ॉ. मनीषा बालियान के नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक कुरितियों की ओर ग्रामीणों का ध्यान का ध्यान आकर्षित करते हुए नुक्कड नाटक किये। बौद्धिक कार्यक्रम के अन्तर्गत आज की अतिथी श्रीकांन्त गौतम जी जो कि हमारे महाविधालय के सहायक अध्यापक हैं । उन्होंने मानव जीवन में पशु पक्षियों के महत्व पर प्रकाश डाला । सांय 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर शिविर स्थल की साफ–सफाई की। सांय 5 बजे स्वयंसेवक अपनी–अपनी टोली के साथ आस–पास के क्षेत्रों में भ्रमण हेतु निकल गये। कुछ स्वयंसेवकों ने वहीं क्रिकेट खेलकर अपना मनोरंजन किया इस खेल में उनके साथ स्थानीय बच्चे भी लग गये जिसके कारण स्थानीय निवासियों के साथ हमारे शिविर के साथ पारिवारिक माहौल बन गया। सायं 6 बजे के लगभग चारों इकाईयों के स्वयंसेवक पुनः कृष्णाकुंज स्थित शिविर स्थल पर एकत्रित हो गये। स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की द्वितीय इकाई ने भोजन बनाने का कार्यभार ग्रहण किया

कार्यक्रम अधिकारी – योगेन्द्र प्रासाद सक्सैना दिनांकः 03.02.2020

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय,मोदीनगर

राष्ट्रीय सेवा योजना–2019–2020 (चतुर्थ इकाई)

सात दिवसीय रात–दिन के विशेष शिविर के तृतीय दिन की आख्या

शिविर के तीसरे दिन छात्र स्वयं सेवकों ने कार्यक्रम अधिकारी योगेन्द्र प्रासाद सक्सैना के नेतृत्व में व्यायाम के पश्चात महाविधालय पहुचें जहा पर, खून तथा दातों की जॉच के विशेष शिविर का आयोजन किया गया था । इसी दौरान विधालय परिसर तथा परिसर के बाहर सफाई अभियान चलाया गया । कुछ स्वयंसेवक तथा सेविकाओं ने हाथ से बने बैनरों के माध्यम से सामाजिक विकास एवं उत्थान के लिये आर्कशक नारे लिखे तथा नुकक्ड नाटक के माध्यम से नशा, दहेज, अषिक्षा, अंधविष्वास इत्यादि सामाजिक बुराईयों की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित किया । छात्राओं के नेतृत्व में ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों को घर–घर जाकर साक्षरता एवं साफ–सफाई का महत्व बतलाया। एक बजे सभी स्वयंसेवक अपने शिविर पुन वापस आकर भोजन ग्रहण किया । बौद्धिक कार्यक्रम की गोष्ठी का आज का विषय वर्तमान शिक्षा प्रणाली की दशा एवं दिशा था। जिसमें हमारे अतिथी श्री अनित कुमार भारोतोलक चैंपियन ने अपने स्वास्थ को कैसे ठीक रखे पर अपने विचार दियें । अनित जी को कार्यक्रम अधिकारी योगेन्द्र प्रासाद सक्सैना जी द्वारा एक पौध सहित गमला देकर सम्मानित किया गया । सांय 4 बजे बौद्धिक कार्यक्रम के पश्चात् सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर शिविर स्थल की साफ–सफाई की। सांय 5 बजे स्वयंसेवक अपनी–अपनी टोली के साथ आस–पास के क्षेत्रों में भ्रमण हेतु निकल गये। सायं 6 बजे के लगभग चारों इकाईयों के स्वयंसेवक पुनः कृष्णाकुंज स्थित शिविर स्थल पर एकत्रित हो गये। स्वयंसेवकों ने रात्रि भोजन की तैयारी प्रारम्भ कर दी जिसमें आज के दिन महाविद्यालय की तृतीय इकाई ने भोजन बनाने का कार्यभार ग्रहण किया जिसमें उन्होंनें अपनी कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 गीताजंली जी की मदद ली। भोजन का कार्य लगभग रात्रि 8 बजे समाप्त हो गया जिसके पश्चात्कैम्प फॉयर लगाया गया स्वयंसेवकों ने विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी

साथ ही स्थानीय लोगों ने रागनी प्रस्तुत की जिससे कैम्प का वातावरण संगीतमय हो गया। रात्रि दस बजे लडकों के दल के साथ डॉ0 मयंक मोहन रहे तथा लडकियों के दल के साथ डॉ0 गीताजंली जी रही। कार्यक्रम अधिकारी श्री योगेन्द्र तथा डॉ0 अमर सिंह कष्यप अपने–अपने दल के कुछ लडकों के साथ सुरक्षा शिविर में सोये।

राष्ट्रीय सेवा योजना
NATIONAL SERVICE SCHEME

कार्यक्रम अधिकारी – योगेन्द्र प्रासाद सक्सैना दिनांकः 05.02.2020

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय,मोदीनगर

राष्ट्रीय सेवा योजना–2019–2020 (चतुर्थ इकाई)

सात दिवसीय रात–दिन के विशेष शिविर के पंचम दिवस की आख्या

शिविर के पांचवे दिन प्रातः 5 बजे सभी स्वयंसेवक जाग गये तथा छात्रों ने डॉ0 मयंक मोहन एवं डॉ0 अमर सिंह कष्यप के साथ व्यायाम किया तथा छात्राओं ने डॉ0 सीमाराज एवं श्री योगेन्द्र जी के साथ योगाभ्यास किया। नाष्ते के पश्चात्9 बजे सहजयोग के लिये श्री लोकेष कुमार जी ने स्वयंसेवकों को प्रेरित किया तथा संगीत के सात स्वरों के आधार पर कुंडलनी जागृत करने का अभ्यास कराया। 11 बजे सभी स्वयंसेवक अपने–अपने कार्यक्रम अधिकारियों के साथ ग्राम सीकरी गये तथा वहां के ऐतिहासिक षिव मंदिर का भ्रमण किया तत्पष्चात् चारों इकाई अपने–अपने कार्यक्रम अधिकारियों साथ विभक्त हो गई तथा सीकरी ग्राम की विभिन्न दलित मोहल्लों में सामाजिक कुरितियों और विभिन्न विकास से संबधित बातों के ज्ञान के प्रसार के लिये निकल गयी। यहां सभी एन0एस0एस0 प्रभारी ने सभी इकाईयों के स्वयंसेवकों को एक–एक प्रश्नावली दी तथा बताया कि इस प्रश्नावली के माध्यम से ही उनके कार्य का आकलन किया जायेगा। दोपहर 2 बजे तक सभी स्वयंसेवक अपने शिविर स्थल पर लौट आये तथा उन्होंने भोजन किया। इसके पश्चात्भगवान बुद्ध रक्त कोश के माध्यम से स्वयंसेवकों ने रक्त दान किया। आज सभी स्वयंसेवक

कार्यक्रम अधिकारी – योगेन्द्र प्रासाद सक्सैना दिनांकः 06.02.2020

मुलतानीमल मोदी महाविद्यालय,मोदीनगर

राष्ट्रीय सेवा योजना–2019–2020 (चतुर्थ इकाई)

सात दिवसीय रात–दिन के विशेष शिविर के षष्टम दिवस की आख्या

शिविर के तीसरे दिन छात्र स्वयं सेवकों ने कार्यक्रम अधिकारी योगेन्द्र प्रासाद सक्सैना के नेतृत्व में व्यायाम के पश्चात महाविधालय में चल रहे एक दिवसीय विशेष युवा कार्यक्रम में सम्मिलित हुए । इस कार्यक्रम का शीर्षक "आज का युवा भविष्य का भारत" खून तथा दातों की जॉच के विशेष शिविर का आयोजन किया गया था । इसी दौरान विधालय परिसर तथा परिसर के बाहर सफाई अभियान चलाया गया । कुछ स्वयंसेवक तथा सेविकाओं ने हाथ से बने बैनरों के माध्यम से सामाजिक विकास एवं उत्थान के लिये आर्कशक नारे लिखे तथा नुकक्ड नाटक के माध्यम से नशा, दहेज, अषिक्षा, अंधविष्वास इत्यादि सामाजिक बुराईयों की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित किया । छात्राओं के नेतृत्व में ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों को घर–घर जाकर साक्षरता एवं साफ–सफाई का महत्व बतलाया। एक बजे सभी स्वयंसेवक अपने शिविर पुन वापस आकर भोजन ग्रहण किया । बौद्धिक कार्यक्रम की गोष्ठी का आज का विषय वर्तमान शिक्षा प्रणाली की दशा एवं दिशा था। बौद्धिक कार्यक्रम की गोश्ठी का आज का विशय नौकरी बनाम व्यक्तिगत व्यवसाय था। जिसमें हमारे आज के अतिथि श्री रमाषंकर, व्यवसायी तथा श्री अष्वनी जी, नौकरीपेषा उपस्थित थे। अलग–अलग कार्यक्षेत्र से जुडे दोनों ही व्यक्तियों ने अपने–अपने कार्यक्षेत्र की कमियां

सात दिवसीय विषेश शिविर में स्वयंसेवकों द्वारा किये गये कार्य

, , ,

	कार्य	
1	जल संरक्षण की जानकारी देना।	198
2	परिवार नियोजन के लाभ बताना	28
3	बी0एल0ओ0 की मदद से वोटर आई0डी0कार्ड बनवाये	49
4	सरकारी योजनाओं से अवगत कराना।	147
5	वृक्षारोपण करना	122
6	सामाजिक कुरितियों का विरोध करना	03
7	युवतियों को सिलाई, एंव बुनाई सिखाना	12
8	समाज के प्रति शिक्षित युवा वर्ग के दायित्व के कर्तव्य के बारे में अवगत कराना।	19
9	आपदा के समय बचाव सम्बन्धी जानकारी देना।	23
10	मकान/घरो के अन्दर और बाहर एंव आस –पास में सफाई सम्बन्धी जानकारी देना	124
11	राष्ट्रीय एकता एवं मतदान पर रैलियों के माध्यम से जानकारी देना	02
12	रक्तदान किया	32